प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में उत्साहपूर्वक मनी पंत जयंती

पंतनगर। 10 सितम्बर 2019। पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की 132वीं जयंती के अवसर पर पंतनगर विश्वविद्यालय के परिसर स्थित पंत पार्क में आज प्रातः पंडित पंत की प्रतिमा पर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, तथा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थियों ने माल्यार्पण किया। इसके बाद बालनिलियम स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रामधुन का गायन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविन्द, से प्राप्त संदेश को कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, तथा उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू, का संदेश अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, द्वारा पढ़कर सुनाया गया। प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी, से प्राप्त संदेश को अधिष्ठाता मात्स्यिकी, डा. आई. जे. सिंह, ने पढ़कर सुनाया। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, का संदेश संयोजक प्रवेश, डा. एच.एस. चावला, ने पढ़ा। इस अवसर पर वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार के कुलपति, डा.ए.के. कर्नाटक के साथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अध्यापक एवं परिसरवासी उपस्थित थे।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कुलपति डा. तेज प्रताप ने कहा कि पंडित जी बड़ी विषम परिस्थितियों में आगे बढ़े। उन्होंने बताया कि पंत जी को शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने गांव से काफी दूर जाना पड़ता था। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद से वकालत की उपाधि प्रात की तथा स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होकर युवाओं को प्रोत्साहित किया। पं. पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, सांसद एवं केन्द्र सरकार में गृह मंत्री भी रहे। भारत को स्वतंत्रता दिलाने तथा उसके बाद देश के विकास में पंत जी के योगदान का भी कुलपति ने जिक्र किया। कृषि के विकास हेतु पंतनगर विश्वविद्यालय की स्थापना में उनके अविस्मरणीय योगदान के बारे में भी उन्होंने बताया, जिसके कारण देश की कृषि व आर्थिकी को मजबूती मिली। डा. प्रताप ने सभी का आह्वान किया कि पंडित पंत के सपनों को पूरा करने एवं विश्वविद्यालय को आगे ले जाने के लिए संकल्प लें।

पंत भवन छात्रावास में पंत जयंती के उपलक्ष्य पर रात्रि में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, डा. अमन कम्बोज द्वारा किया गया।

पंडित पंत की मूर्ति पर माल्यार्पण करते पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप।